पंच और सरपंच चुनाव · मतपेटी से · गिनती · रिटर्निंग अधिकारी और गिनती में लगे मतदान दल के लिए

गिनती: कौन सा मतपत्र वैध, कौन सा नहीं

आयोग की सचित्र पुस्तिका के 18 नमूने; मतपत्र किन आधारों पर अस्वीकार होता है (नियम 50); वोट बराबर हों तो लाट (नियम 51); दोबारा गिनती की अर्ज़ी (नियम 49); और गिनती के बाद लिफ़ाफ़े, नतीजा और शपथ।

आधार: राज्य निर्वाचन आयोग की मार्गदर्शिका (जहाँ मतदान मतपेटी से होगा) 2026, आदेश 1323 और 1031, और आयोग की पुस्तिका "विधिमान्य और प्रतिक्षेपित मतपत्रों के सचित्र दृष्टान्त" · हर [ ] छूने पर स्रोत उसी पेज पर खुलता है

1 गिनती कहाँ, कब, किसके सामने

कहाँ
ग्राम पंचायत मुख्यालय पर ही
बूथ पर नहीं [आदेश 1323]

कब
मतदान ख़त्म होते ही
तुरंत बाद [आदेश 1323] [पृ. 37]; जगह और शुरू होने का समय सब उम्मीदवारों को पहले से बताएँ [पृ. 38]

किसकी देखरेख में
रिटर्निंग अधिकारी (RO)
उनके निर्देश पर; सब बूथों का मतदान दल मदद के लिए मौजूद [आदेश 1323] [पृ. 37]

और कौन अंदर
पंच और सरपंच के उम्मीदवार
सरपंच उम्मीदवार के 2 गणना अभिकर्ता; 20 या ज़्यादा वार्ड वाली पंचायत में ज़िला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) ज़्यादा की इजाज़त दे सकते हैं (नियम 70(1)) [पृ. 38]

2 दो दल, रंग से छँटाई, 50-50 की गड्डी

1. **सब मतपेटियाँ आ गईं?** सरपंच की गिनती से पहले पक्का करें कि सब बूथों की मतपेटियाँ आ गई हैं [आदेश 1323]
2. **दो दल** RO दो दल बनाते हैं: पहला सरपंच की गिनती का, दूसरा पंच की गिनती का [आदेश 1323]
3. **रंग से छँटाई** मतपेटी एक-एक कर खोलें: सरपंच के सफ़ेद, पंच के गुलाबी मतपत्र; पंच वाले वार्ड-वार [आदेश 1323] [पृ. 38]
4. **50-50 की गड्डी** रबर बैंड लगाकर; हर बूथ का वार्ड-वार जोड़ कागज़ पर, बूथ पर पड़े वोटों से मिलान [आदेश 1323] [पृ. 38]
5. **उम्मीदवार-वार** हर वार्ड के मतपत्र एक कार्मिक गिनता है; सरपंच के वोट RO ख़ुद, या सहायक मतदान अधिकारियों की मदद से [आदेश 1323] [आदेश 1323, पृ. 2] [पृ. 38]

गिनने वाला हर उम्मीदवार और नोटा के वोट एक पर्ची पर लिखकर हस्ताक्षर करे और वार्ड नंबर लिखे; उम्मीदवार-वार गड्डियाँ एक पैकेट में, पर्ची सबसे ऊपर, RO को। [पृ. 38]

किसी बूथ की पेटी देर से आए: आदेश 1323 के मुताबिक़ सरपंच की गिनती सब बूथों की पेटियाँ आने के बाद शुरू होगी [आदेश 1323]। मार्गदर्शिका: पंचायत मुख्यालय से बाहर उसी पंचायत के किसी गाँव में बहुत ख़ास हालात में बूथ बना हो और उसकी पेटी आने में देर हो, तो उम्मीदवारों को बताकर बाक़ी पेटियों की गिनती शुरू कर दें। [पृ. 37] [पृ. 38]

3 मतपत्र किन आधारों पर अस्वीकार (नियम 50 और आदेश 1031)

1. मतपत्र पर **ऐसा कोई निशान** जिससे मतदाता की पहचान हो सके। [पृ. 71]
2. **एक से ज़्यादा उम्मीदवार** पर निशान [पृ. 71], या **किसी उम्मीदवार और नोटा** दोनों पर। [नियम 50(1)(ii), संशोधन 2014]
3. सामने की तरफ़ **कोई वोट नहीं**; या वोट **पीठ पर**; या दी गई मुहर के बजाय **किसी और चीज़ से** निशान। [पृ. 71]
4. वोट **अनिश्चित** होने से शून्य; या मतपत्र **जाली**। [पृ. 71]
5. मतपत्र इतना **फटा या बिगड़ा** कि उसका असली होना साबित न हो सके। [पृ. 71]

बाक़ी हर मतपत्र वैध

जो मतपत्र नियम 50 में अस्वीकार नहीं होता, वह वैध है और गिना जाएगा (नियम 49(8)) [पृ. 70]। इन आधारों के अलावा किसी और आधार पर मतपत्र अस्वीकार नहीं होगा (नियम 50(2)); नियम 91-क के तहत आयोग के आदेश 1031 में पीठ की मुहर और हस्ताक्षर वाला मामला (दाईं ओर) और है; मतपत्र वैध है या नहीं, इस पर **RO का फ़ैसला अंतिम** (नियम 50(4))। [पृ. 71]

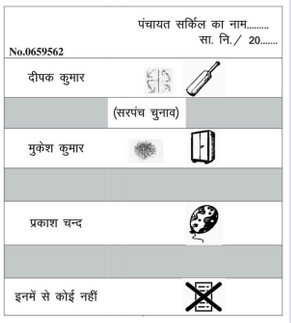
पीठ पर "पं.रा.सं." मुहर और मतदान अधिकारी के हस्ताक्षर

हर मतपत्र देने से पहले उसकी पीठ पर "पं.रा.सं." की रबर मुहर और मतदान अधिकारी के पूरे हस्ताक्षर होते हैं। गिनती में जिस मतपत्र पर **न यह मुहर हो, न मतदान अधिकारी के हस्ताक्षर**, उसे RO अस्वीकार करेंगे; पर RO को भरोसा हो जाए कि यह चूक मतदान अधिकारी या सहायक मतदान अधिकारी की है, तो वह **अस्वीकार नहीं** होगा। [आदेश 1031]

4 वैध: ये मतपत्र गिने जाएँगे

नमूना मतपत्र सरपंच चुनाव का है: तीन उम्मीदवार (**दीपक कुमार, मुकेश कुमार, प्रकाश चन्द**) और नोटा; दो खानों के बीच की **ग्रे पट्टी** ख़ाली जगह है। हर नमूने का कारण मार्गदर्शिका के परिशिष्ट-34 से है; चित्र आयोग की पुस्तिका से। 2026 के मतपत्रों पर उम्मीदवारों के नाम मतदान दल के कार्मिक **हाथ से** लिखेंगे और नोटा का स्टिकर आख़िरी उम्मीदवार के बाद चिपकेगा [आदेश 9809, पृ. 2]; नमूनों में नाम छपे हैं।

वैध-1 — वोट: दीपक कुमार को

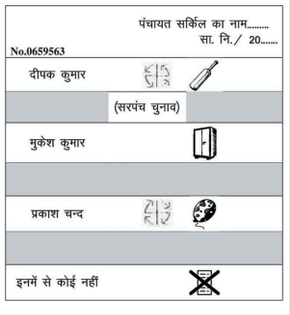


दीपक कुमार के खाने में मुहर का निशान; मतपत्र पर कहीं और स्याही का धब्बा।

पहले संदेहपूर्ण गड्डी में; RO की जाँच में वैध

[परिशिष्ट-34, पृ. 140] [पुस्तिका पृ. 1]

वैध-2 — वोट: दीपक कुमार को

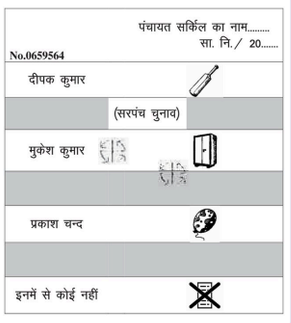


असली निशान (घड़ी की उलटी दिशा वाला, Anti Clock Wise) **दीपक कुमार** के खाने में। मतपत्र गलत मोड़ने से उसी की छाप प्रकाश चन्द के खाने में।

पहले संदेहपूर्ण गड्डी में; RO की जाँच में वैध

[परिशिष्ट-34, पृ. 140] [पुस्तिका पृ. 2]

वैध-3 — वोट: मुकेश कुमार को

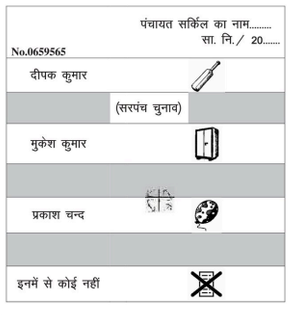


मुकेश कुमार के खाने में साफ़ निशान; एक और निशान का ज़्यादातर हिस्सा ग्रे पट्टी में।

गिनती दल ख़ुद वैध मान लेता है

[परिशिष्ट-34, पृ. 141] [पुस्तिका पृ. 3]

वैध-4 — वोट: प्रकाश चन्द को



निशान का एक हिस्सा **प्रकाश चन्द** के खाने में, एक हिस्सा ग्रे पट्टी में।

गिनती दल ख़ुद वैध मान लेता है

[परिशिष्ट-34, पृ. 141] [पुस्तिका पृ. 4]

वैध-5 — वोट: दीपक कुमार को

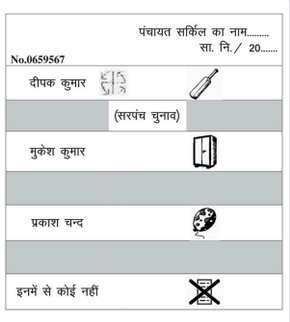


दीपक कुमार के ही खाने में एक से ज़्यादा निशान।

गिनती दल ख़ुद वैध मान लेता है

[परिशिष्ट-34, पृ. 142] [पुस्तिका पृ. 5]

वैध-6 — वोट: दीपक कुमार को

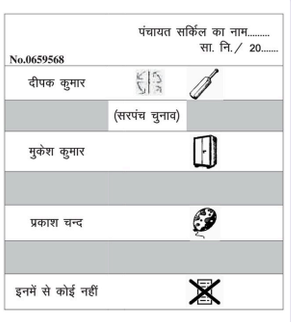


दीपक कुमार के खाने में साफ़ निशान।

गिनती दल ख़ुद वैध मान लेता है

[परिशिष्ट-34, पृ. 142] [पुस्तिका पृ. 6]

वैध-7 — वोट: दीपक कुमार को



दीपक कुमार के खाने में हल्का निशान।

गिनती दल ख़ुद वैध मान लेता है

[परिशिष्ट-34, पृ. 143] [पुस्तिका पृ. 7]

वैध-8

परिशिष्ट-34 में वैध-8 का कारण वही है जो वैध-3 का: दूसरे उम्मीदवार के खाने में साफ़ निशान, और एक निशान का ज़्यादातर हिस्सा ग्रे पट्टी में; गिनती दल ख़ुद वैध मान लेता है। पुस्तिका में इसका चित्र नहीं है। [परिशिष्ट-34, पृ. 143]

गिनती दल ख़ुद कब मान ले

निशान किसी एक उम्मीदवार के खाने में हो, भले हल्का हो, एक से ज़्यादा हों, या कुछ हिस्सा ग्रे पट्टी में चला गया हो, तो परिशिष्ट-34 में गिनती दल ख़ुद उसे वैध मान लेता है (वैध-3 से 7)। [पृ. 141] [पृ. 142] [पृ. 143]

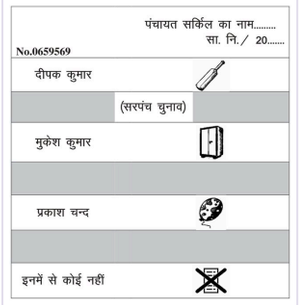
दो खानों में छाप या धब्बा हो

वैध-1 और 2 में निशान के अलावा धब्बा या मोड़ने से बनी छाप भी है; ऐसे मतपत्र गिनती दल पहले संदेहपूर्ण गड्डी में रखता है, और RO जाँच कर वैध मानते हैं। [पृ. 140]

5 अवैध: ये मतपत्र अस्वीकार होंगे

परिशिष्ट-34 में इन सब नमूनों के लिए एक ही तरीका है: गिनती दल इन्हें **संदेहपूर्ण गड्डी** में रखता है, और RO की जाँच में ये **अस्वीकार** होते हैं। [पृ. 144]

अवैध-1 — कोई निशान नहीं

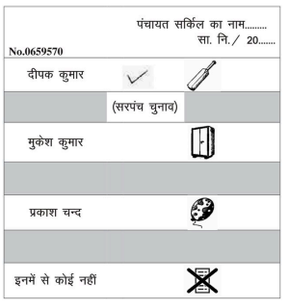


मतपत्र पर कोई निशान नहीं।

पहले संदेहपूर्ण गड्डी में; RO की जाँच में अस्वीकार

[परिशिष्ट-34, पृ. 144] [पुस्तिका पृ. 8]

अवैध-2 — दी गई मुहर नहीं

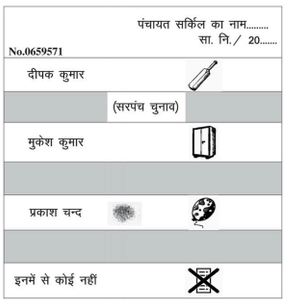


निशान दी गई मुहर (Aero Cross Mark Seal) से नहीं लगाया; यहाँ सही (✓) का निशान बना है।

पहले संदेहपूर्ण गड्डी में; RO की जाँच में अस्वीकार

[परिशिष्ट-34, पृ. 144] [पुस्तिका पृ. 9]

अवैध-3 — दी गई मुहर नहीं

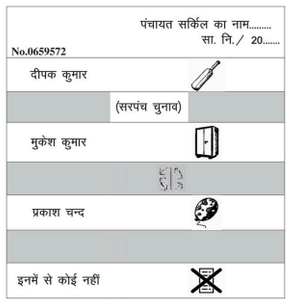


निशान दी गई मुहर (Aero Cross Mark Seal) से नहीं लगाया।

पहले संदेहपूर्ण गड्डी में; RO की जाँच में अस्वीकार

[परिशिष्ट-34, पृ. 145] [पुस्तिका पृ. 10]

अवैध-4 — ख़ाली जगह में

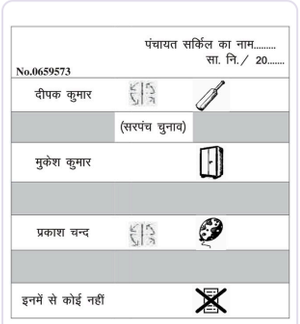


निशान ख़ाली जगह (ग्रे पट्टी) में, किसी उम्मीदवार के खाने में नहीं।

पहले संदेहपूर्ण गड्डी में; RO की जाँच में अस्वीकार

[परिशिष्ट-34, पृ. 145] [पुस्तिका पृ. 11]

अवैध-5 — दो पर निशान

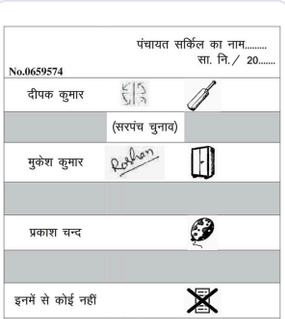


एक से ज़्यादा वोट: **दीपक कुमार** और **प्रकाश चन्द** दोनों के खाने में निशान।

पहले संदेहपूर्ण गड्डी में; RO की जाँच में अस्वीकार

[परिशिष्ट-34, पृ. 146] [पुस्तिका पृ. 12]

अवैध-6 — पहचान हो सके

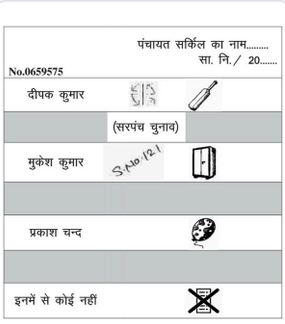


मतदाता की पहचान हो सकती है: मतपत्र पर नाम या हस्ताक्षर ("Roshan")।

पहले संदेहपूर्ण गड्डी में; RO की जाँच में अस्वीकार

[परिशिष्ट-34, पृ. 146] [पुस्तिका पृ. 13]

अवैध-7 — पहचान हो सके

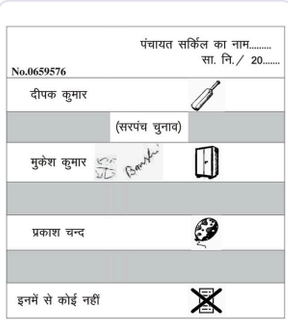


मतदाता की पहचान हो सकती है: उसकी क्रम संख्या लिखी है ("S.No.121")।

पहले संदेहपूर्ण गड्डी में; RO की जाँच में अस्वीकार

[परिशिष्ट-34, पृ. 147] [पुस्तिका पृ. 14]

अवैध-8 — पहचान हो सके

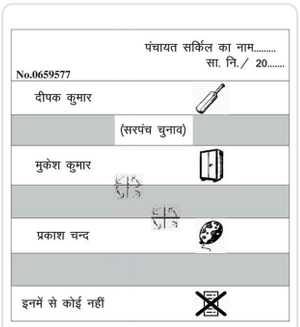


मतदाता की पहचान हो सकती है: मुहर के साथ नाम या हस्ताक्षर ("Banshi")।

पहले संदेहपूर्ण गड्डी में; RO की जाँच में अस्वीकार

[परिशिष्ट-34, पृ. 147] [पुस्तिका पृ. 15]

अवैध-9 — पता नहीं किसे

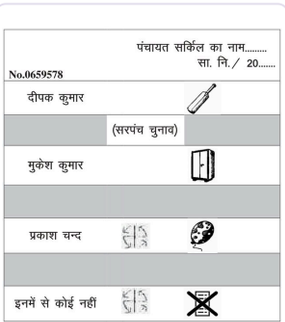


निशान ऐसे लगे हैं कि साफ़ नहीं होता किस उम्मीदवार को वोट दिया।

पहले संदेहपूर्ण गड्डी में; RO की जाँच में अस्वीकार

[परिशिष्ट-34, पृ. 148] [पुस्तिका पृ. 16]

अवैध-10 — उम्मीदवार + नोटा

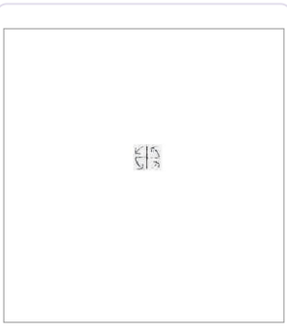


एक निशान उम्मीदवार (**प्रकाश चन्द**) पर, दूसरा **नोटा** पर।

पहले संदेहपूर्ण गड्डी में; RO की जाँच में अस्वीकार

[परिशिष्ट-34, पृ. 148] [पुस्तिका पृ. 17]

अवैध-11 — पीठ पर निशान



निशान मतपत्र की **पीठ** पर लगा है।

पहले संदेहपूर्ण गड्डी में; RO की जाँच में अस्वीकार

[परिशिष्ट-34, पृ. 149] [पुस्तिका पृ. 18]

याद रखिए

नियम 50 के आधार, और आदेश 1031 वाला मामला (पीठ पर न "पं.रा.सं." मुहर, न मतदान अधिकारी के हस्ताक्षर), इनके अलावा किसी और आधार पर मतपत्र अस्वीकार नहीं होगा। [पृ. 71] [आदेश 1031] मार्गदर्शिका के नमूने सर्वोपरि नहीं, सिर्फ़ मार्गदर्शन के लिए हैं [पृ. 39]; पुस्तिका भी कहती है कि उसके नमूने सर्वांगीण नहीं, सिर्फ़ मार्गदर्शन के सचित्र दृष्टान्त हैं। [पुस्तिका, टिप्पणी]

6 शक वाला मतपत्र और अस्वीकार मतपत्र

शक हो तो उसी वक़्त RO से फ़ैसला

गिनने वाले को किसी मतपत्र पर शक हो, तो वह उसी वक़्त RO से फ़ैसला ले; फिर वह मतपत्र उम्मीदवार की गड्डी में जाएगा या अस्वीकार गड्डी में। संदेहास्पद मतपत्रों की अलग गड्डी बनाना ज़रूरी नहीं। [पृ. 38] परिशिष्ट-34 के नमूनों में ऐसे मतपत्र पहले संदेहपूर्ण गड्डी में रखे दिखाए गए हैं। [पृ. 140] [पृ. 144]

उम्मीदवार देखें, उठाएँ नहीं

जिन मतपत्रों को RO अस्वीकार करना ठीक समझें, उन्हें देखने का उचित मौक़ा हर उम्मीदवार को मिलेगा, पर **उठाए बिना** (नियम 49(5))। [पृ. 70] गिनती की जगह पर RO, मतदान अधिकारी, सहायक अधिकारी और उम्मीदवारों के अलावा वही रह सकते हैं जिन्हें RO इजाज़त दें (नियम 49(3), 49(4))। [पृ. 70]

अस्वीकार मतपत्र: क्या करें

1. अस्वीकार मतपत्रों की **अलग गड्डी**। RO इन्हें फिर से देखें, उम्मीदवारों को बताएँ, फिर अंतिम फ़ैसला करें। [आदेश 1323, पृ. 2] [पृ. 38]
2. हर अस्वीकार मतपत्र पर अस्वीकार करने का **कारण** संक्षेप में लिखें (नियम 50(3)) [पृ. 71]; कारण की **मुहर** और RO के **हस्ताक्षर**। [आदेश 1323, पृ. 2] [पृ. 38]
3. कोई उम्मीदवार अस्वीकार मतपत्रों के **क्रमांक** जानना चाहे, तो RO उसे क्रमांक नोट करा दें। [आदेश 1323, पृ. 2] [पृ. 38]
4. गिनती के बाद गिने गए वैध मतपत्रों और अस्वीकार मतपत्रों के **अलग-अलग पैकेट**, हर पैकेट पर RO की मुहर (नियम 52(1)(क), (ख))। [पृ. 71]

7 दोबारा गिनती

कब	क्या होगा
उम्मीदवार की लिखित अर्ज़ी (नियम 49(6))	गिनती की जगह पर मौजूद कोई भी उम्मीदवार, गिनती के दौरान कभी भी, उस वार्ड के मतपत्रों की दोबारा गिनती के लिए RO को **लिखकर** अर्ज़ी दे सकता है। RO **कारण लिखकर** या तो अर्ज़ी नामंज़ूर करेंगे या दोबारा गिनती का आदेश देंगे। [पृ. 70]
अंतर बहुत कम हो (आदेश 1323)	जीत-हार का अंतर बहुत कम हो और कोई उम्मीदवार दोबारा गिनती माँगे, तो RO उचित समझें तो दोबारा गिनती करा सकते हैं। [आदेश 1323, पृ. 2] मार्गदर्शिका: उम्मीदवार कारण बताकर माँगे और RO ठीक समझें, तो भरोसा बनाने के लिए दोबारा गिनती; दो उम्मीदवारों में अंतर बहुत कम हो तो यह और ठीक रहता है। [पृ. 38]
RO ख़ुद (नियम 49(7))	ठीक पिछली गिनती के सही होने पर भरोसा न हो, तो RO अपने विवेक से सब उम्मीदवारों या किसी के भी मतपत्र एक बार या ज़्यादा बार फिर गिन सकते हैं। [पृ. 70]

8 वोट बराबर हों: लाट (नियम 51)

नतीजा लाट से

- वोट बराबर हों, तो नतीजा **लाट निकालकर** घोषित होगा, उस तरीके से जो RO उचित समझें। [पृ. 71]
- लाट का नतीजा **प्ररूप-7** की विवरणी में लिखा जाता है (नियम 52(1)(ग)(v))। [पृ. 71]
- निर्वाचित उसे घोषित करेंगे जिसके वोट, वोटों और लाट के नतीजे से, सबसे ज़्यादा हों (नियम 52(1)(घ))। [पृ. 71]

गिनती के बीच मतपत्र खो जाएँ या बिगड़ें (नियम 49-क)

गिनती ख़त्म होने से पहले किसी बूथ के मतपत्र RO की हिरासत से गैरक़ानूनी तरीके से निकाल लिए जाएँ, नष्ट हो जाएँ, खो जाएँ, बिगड़ जाएँ या उनमें गड़बड़ की जाए, इस हद तक कि उस बूथ का नतीजा तय न हो सके, तो [पृ. 70] [नियम 49A, अंग्रेज़ी पाठ]

1. RO यह बात **तुरंत राज्य निर्वाचन आयोग** को रिपोर्ट करेंगे। [पृ. 70]
2. आयोग गिनती रुकवाकर उस बूथ का मतदान शून्य घोषित कर नए मतदान का दिन तय कर सकता है; या, अगर उसे भरोसा हो कि वहाँ नए मतदान से नतीजे पर कोई असर नहीं पड़ेगा, तो गिनती फिर शुरू करके पूरी करने के निर्देश दे सकता है। [पृ. 70] [पृ. 71]
3. आयोग ये शक्तियाँ ज़िला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) या अपने किसी और अधीनस्थ अधिकारी को दे सकता है (नियम 49-ख)। [पृ. 71]

9 गिनती के बाद: लिफ़ाफ़े

सब लिफ़ाफ़े सील होंगे	पंच	सरपंच
गिने गए वैध मतपत्र	P-9	P-8
गिनती में अस्वीकार मतपत्र	P-29	P-28

[पृ. 38] [पृ. 39]

10 नतीजा, जमानत, शपथ

नतीजा: हर पद की गिनती पूरी होते ही नतीजा घोषित करें; किसी पद का नतीजा आने के बाद उस पद के बाक़ी उम्मीदवार गिनती की जगह पर न रुकें। [आदेश 1323, पृ. 2]

प्ररूप-7: वोट प्ररूप-7 (परिशिष्ट-10) में भरें [आदेश 1323, पृ. 2]; हस्ताक्षर की हुई प्रति (1) आयुक्त, पंचायती राज विभाग (2) ज़िला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) (3) नए सरपंच (4) पंचायत कार्यालय, अगर हो (5) पंचायत समिति कार्यालय को। [पृ. 39]

जमानत: सरपंच के जिस उम्मीदवार को कुल वैध वोटों का कम से कम छठा हिस्सा (1/6) मिले, उसकी जमानत वापस; कम मिले तो ज़ब्त। जीतने वाले के वोट 1/6 से कम हों, तब भी जमानत वापस। किसी ने एक से ज़्यादा नामांकन पत्र भरकर एक से ज़्यादा बार जमानत जमा की हो, तो सिर्फ़ एक नामांकन वाली राशि ज़ब्त, बाक़ी वापस। दावा प्रपत्र-1 (परिशिष्ट-32) पर। [पृ. 39]

शपथ: नतीजे के तुरंत बाद प्ररूप-11 (परिशिष्ट-18) में, ताकि नए पंच-सरपंच उप-सरपंच की बैठक में शामिल हो सकें [पृ. 39]; प्रमाण-पत्र दें और उम्मीदवार से हस्ताक्षर की रसीद लें। [आदेश 1323, पृ. 2]

उप-सरपंच: चुनाव अगले दिन, वही RO कराएँगे (अध्याय-7)। [पृ. 39]

नमूने मार्गदर्शन हैं, नियम 50 आधार

मार्गदर्शिका: “इस पुस्तिका में जो नमूने दिये गये हैं वो सर्वोपरि नहीं हैं अपितु ये केवल मार्गदर्शन के लिए हैं”। [पृ. 39] पुस्तिका: “वे सर्वांगीण नहीं है, ये केवल मार्गदर्शन हेतु सचित्र दृष्टान्त हैं”। [पुस्तिका, टिप्पणी] कोई नया मामला आए, तो नियम 50 के आधार देखिए; फ़ैसला RO का।

नियम 50 का पाठ

मार्गदर्शिका के परिशिष्ट-4 में छपे हिंदी पाठ में “उम्मीदवार और नोटा” वाली बात नहीं है; यह नियम 50(1)(ii) में 2014 के संशोधन (अधिसूचना 1531, दिनांक 12.11.2014) से जुड़ी है, जो नियमों के अंग्रेज़ी पाठ में छपी है। [नियम 50(1)(ii), संशोधन 2014] [पृ. 71]

साइट पर पूरा ब्योरा: गिनती · गिनती के क़दम · कौन सा मतपत्र वैध · अभ्यास: वैध या अवैध?

स्रोत [ ] छूने पर स्रोत ठीक उसी पेज पर खुलता है (MockPoll पर रखी प्रति); पेज नंबर किताब पर छपे वाले हैं

- राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान: “पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव, रिटर्निंग अधिकारियों एवं मतदान अधिकारियों के लिये मार्गदर्शिका (जहाँ मतदान मतपेटी से होगा) 2026”। इस्तेमाल हुए पेज: 37–39, 70–71 (परिशिष्ट-4: नियम 49–52) और 140–149 (परिशिष्ट-34)।
- आयोग का आदेश क्रमांक एफ. 7(1)(1)/पंचा/रानिआ/2024/1323, दिनांक 03.02.2026: पंच एवं सरपंच पद के निर्वाचन में मतगणना। [आदेश 1323]
- आयोग का आदेश क्रमांक 1031, दिनांक 27.01.2026: मतपत्र की पीठ पर “पं.रा.सं.” मुहर और मतदान अधिकारी के हस्ताक्षर। [आदेश 1031] आदेश 9809: 2026 के मतपत्र। [आदेश 9809, पृ. 2]
- राज्य निर्वाचन आयोग: “विधिमान्य और प्रतिक्षेपित मतपत्रों के सचित्र दृष्टान्त (पंच/सरपंच/पंचायत समिति/जिला परिषद् सदस्यों के निर्वाचन के लिये, मतपेटी से चुनाव होने पर)”: सब 18 चित्र।
- राजस्थान पंचायती राज (निर्वाचन) नियम 1994, नियम 49A और 50 का अंग्रेज़ी पाठ (2014 संशोधन सहित)। [नियम 50(1)(ii), संशोधन 2014]